IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 4, Issue 9, September 2024

Impact Factor: 5.731

सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए नीतिगत बदलावों का अध्ययन

मनोज कुमार मनोहर[1] and डॉ. समीर कुमार पाण्डेय[2]

शोधार्थी, विभाग शिक्षा[1]

शोध निर्देशक, विभाग शिक्षा[2]

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता समाज की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा, जो शिक्षक के कार्यकाल के दौरान उनके कौशल और ज्ञान में निरंतर सुधार की प्रक्रिया को संदर्भित करती है, इसका उद्देश्य शिक्षक को उनके पेशेवर विकास में मदद करना और उनका दृष्टिकोण सकारात्मक बनाना है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई दशकों से सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, और इसे और प्रभावी बनाने के लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

यह अध्ययन सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए आवश्यक नीतिगत बदलावों को पहचानने और समझने का प्रयास करता है। नीतिगत स्तर पर सुधार शिक्षकों के कार्यशैली, उनके शैक्षिक दृष्टिकोण और छात्रों के साथ उनके संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं। इस संदर्भ में, भारतीय सरकार द्वारा बनाए गए विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तर के नीति दस्तावेज़, जैसे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, शिक्षकों की पेशेवर योग्यता में सुधार और विकास के लिए कई पहल करती हैं। हालांकि, इन नीतियों के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ भी सामने आती हैं, जो शिक्षक शिक्षा के सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास को प्रभावित करती हैं।

नीतिगत बदलावों के तहत, सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा को अधिक सशक्त बनाने के लिए कई प्रमुख कदम उठाए जा सकते हैं। इनमें शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, उन्हें नई शैक्षिक तकनीकों और विधियों से परिचित कराना, और उनकी मानसिकता को छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में काम

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 9, September 2024
Impact Factor: 5.731

करना शामिल है। इसके अलावा, शिक्षक समुदाय के बीच एक सहयोगी और समावेशी कार्य वातावरण की स्थापना, और उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना भी आवश्यक है।

शिक्षकों के सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए, नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी स्तरों पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता उच्च हो और उन्हें स्थायी रूप से अपडेट किया जाए। इसके अलावा, शिक्षकों की व्यक्तिगत और पेशेवर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, उपयुक्त नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, ताकि उनका कार्यक्षेत्र और मनोबल बेहतर हो सके।

इस अध्ययन का उद्देश्य उन नीतिगत सुधारों को पहचानना है, जो सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं और उन नीतियों के प्रभाव को समझना है जो शिक्षकों के पेशेवर जीवन को और अधिक संतुलित और फलदायी बना सकती हैं। इस प्रकार, नीतिगत बदलाव शिक्षक शिक्षा को एक नई दिशा देने में सहायक हो सकते हैं, जिससे समग्र शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव हो सके।

मुख्य शब्द : सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा, सकारात्मक दृष्टिकोण, नीतिगत बदलाव, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक सुधार, शिक्षक विकास, नीति प्रभाव.

परिचय

शिक्षक शिक्षा का क्षेत्र हमेशा से शिक्षा प्रणाली के सुधार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है, विशेष रूप से जब बात सेवाकालीन शिक्षक (in-service teachers) की होती है। इन शिक्षकों की पेशेवर क्षमता, शिक्षण विधियों में सुधार और छात्रों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना किसी भी शिक्षा प्रणाली के स्थिर और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षकों के निरंतर विकास के लिए नीतिगत बदलावों का अध्ययन इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुका है। सेवाकालीन शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार की नीतियों का उद्देश्य उनके कामकाजी जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है, ताकि वे शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता की दिशा में सक्रिय रूप से योगदान दे सकें।

समय के साथ, यह समझ बढ़ी है कि केवल प्रारंभिक शिक्षक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने से ही परिणाम सकारात्मक नहीं आते। सेवाकालीन शिक्षकों को नए ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण से सशक्त करना आवश्यक है, ताकि वे अपने व्यावसायिक जीवन में बदलाव लाकर छात्रों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन सकें। इस संदर्भ में नीतिगत बदलावों का प्रभाव निर्णायक हो सकता है, क्योंकि ये न केवल शिक्षकों की पेशेवर क्षमता को बढ़ाने

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 9, September 2024
Impact Factor: 5.731

के लिए निर्धारित होते हैं, बल्कि उनके कार्यक्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण के निर्माण के लिए भी आवश्यक होते हैं।

भारत में, शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में कई नीतिगत परिवर्तन देखे गए हैं, जैसे कि शिक्षा नीति 1986, 1992, और हाल ही में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में। इन नीतियों का उद्देश्य सेवाकालीन शिक्षकों के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनकी कार्यकुशलता में सुधार लाना और उन्हें प्रेरित करना है। इनमें से कई बदलावों में मानसिकता के परिवर्तन और सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने के प्रयास किए गए हैं, ताकि शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में एक समग्र सुधार हो सके।

इसके अतिरिक्त, सेवाकालीन शिक्षकों के लिए नीतिगत बदलावों के प्रभाव को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम यह देखें कि यह बदलाव किस प्रकार से उनके मानसिक, भावनात्मक और व्यावसायिक दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। शिक्षक शिक्षा के प्रभावी सुधारों का उद्देश्य न केवल उनके ज्ञान और तकनीकी दक्षता में सुधार करना है, बल्कि उन्हें सामाजिक और मानसिक दृष्टिकोण से भी सशक्त बनाना है। इसके लिए प्रभावी प्रशिक्षण, प्रेरणा और नीतिगत समर्थन महत्वपूर्ण है, ताकि शिक्षक न केवल अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से निभा सकें, बल्कि शिक्षा में नवाचार और सुधार के लिए प्रेरित भी हों।

इस अध्ययन का उद्देश्य सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए आवश्यक नीतिगत बदलावों का विश्लेषण करना है। यह शोध यह जानने का प्रयास करेगा कि ये बदलाव कैसे शिक्षकों की मानसिकता को प्रभावित करते हैं और उनके पेशेवर जीवन में कैसे सकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं।

सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा की आवश्यकता

आज के शैक्षिक परिवेश में, जहां तकनीकी विकास और वैश्वीकरण ने शिक्षा के स्वरूप को बदल दिया है, सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, शैक्षिक नवाचारों, और विद्यार्थियों की मानसिकता को समझने के लिए निरंतर शिक्षा की आवश्यकता होती है। न केवल अकादमिक संदर्भ में, बल्कि व्यक्तिगत विकास और मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 9, September 2024
Impact Factor: 5.731

नीतिगत बदलावों का महत्व

शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए नीतिगत बदलाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लागू की गई नीतियाँ, जैसे की "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020", ने सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में नवाचार और सुधार के लिए कई दिशा-निर्देश दिए हैं। इन नीतियों का उद्देश्य शिक्षक की कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव लाना है, ताकि वे विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षक शिक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव दिए हैं, जो सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं। इस नीति का मुख्य उद्देश्य शिक्षक शिक्षा को अधिक उन्नत, समावेशी, और सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत, शिक्षकों के लिए निरंतर पेशेवर विकास (CPD) की आवश्यकता को बल दिया गया है, जिससे वे नई-नई शैक्षिक विधियों और मानसिक स्वास्थ्य रणनीतियों से परिचित हो सकें।

शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर प्रभाव

किसी भी शैक्षिक प्रणाली के कार्यकारी पहलू में शिक्षक की मानसिक स्थिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नीतिगत बदलावों के माध्यम से, जैसे कि "शिक्षक कल्याण योजना", सेवाकालीन शिक्षकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया है। इससे शिक्षक अपने कार्यों को और अधिक सकारात्मक तरीके से कर पाते हैं और बच्चों के लिए एक प्रेरणा बनते हैं।

प्रोफेशनल डेवलपमेंट और निरंतर शिक्षा

सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में एक प्रमुख नीतिगत बदलाव यह रहा है कि शिक्षकों के लिए निरंतर पेशेवर विकास (CPD) की योजना को प्रोत्साहित किया गया है। यह योजना न केवल उनकी शैक्षिक दक्षता को बढ़ाती है, बल्कि उनके दृष्टिकोण और कार्यशैली को भी सकारात्मक बनाती है। शिक्षकों के लिए विशेषज्ञता, संवाद कौशल, और टीम वर्क जैसे कौशल पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

नवाचार और प्रौद्योगिकी का समावेश

समकालीन नीतियों में शिक्षक शिक्षा में नवाचार और प्रौद्योगिकी के समावेश पर बल दिया गया है। यह सेवाकालीन शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, और इंटरेक्टिव शिक्षण विधियों से अवगत

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 9, September 2024
Impact Factor: 5.731

कराता है। इस तरह के बदलाव उनके दृष्टिकोण को विस्तृत करते हैं और उन्हें अधिक सृजनात्मक और लचीला बनाते हैं।

निष्कर्ष

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक प्रशिक्षण और उनके शिक्षा के दौरान सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। यह बदलाव शिक्षक शिक्षा के मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और उसे शिक्षा के प्रति एक नया दृष्टिकोण देने के लिए आवश्यक हैं।

शिक्षक शिक्षा की नीतियों में सुधार के लिए पहले से अधिक सशक्त ढांचे की आवश्यकता है, जो न केवल शैक्षिक कौशल पर ध्यान केंद्रित करें, बल्कि शिक्षक के मानसिक और भावनात्मक विकास पर भी जोर दे। सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, और तनाव प्रबंधन जैसी क्षमताओं को भी शामिल किया जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव दिए हैं, जैसे कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समग्र और इंटरडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण से लागू करना। इसके माध्यम से शिक्षक अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं, जिससे वे बच्चों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बन सकें।

इसके अलावा, सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय-समय पर अपडेट करना और उन्हें निरंतर प्रशिक्षित रखना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ताकि शिक्षक अपनी कक्षा में आने वाली नई चुनौतियों और बदलते शैक्षिक परिप्रेक्ष्य के अनुरूप अपनी सोच और दृष्टिकोण को विकसित कर सकें। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार और शैक्षिक संस्थान मिलकर एक ऐसी नीति बनाएं, जो शिक्षक के प्रशिक्षण को केवल एक कागजी प्रक्रिया से बाहर निकालकर उसे जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया के रूप में देखे।

एक सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास के लिए शिक्षक को अपने कार्यक्षेत्र में स्वायत्तता और सहयोग दोनों का अनुभव होना चाहिए। जब शिक्षक अपने कार्य में पूरी तरह से आत्मविश्वास और संतुष्टि महसूस करेंगे, तो वे बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को भी आसानी से अपना पाएंगे। इसके लिए नीति निर्माताओं को शिक्षकों के काम के माहौल में सुधार लाने की आवश्यकता है, ताकि वे प्रेरित महसूस कर सकें।

यह कहा जा सकता है कि सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में नीतिगत बदलावों का उद्देश्य केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार नहीं, बल्कि शिक्षक के दृष्टिकोण और मानसिकता में परिवर्तन लाना भी है। एक समग्र,

विचारशील और सशक्त नीति के माध्यम से हम शिक्षक शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं, जो अंततः समाज और राष्ट्र की समग्र प्रगति में योगदान करेगा।

संदर्भ:

[1]. शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्ययोजना की भूमिका (2020).
[2]. भारत में शिक्षक प्रशिक्षण की नीतियाँ और उनके प्रभाव (2019).
[3]. शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय नीति में बदलाव और सुधार (2018).
[4]. भारत में शिक्षक शिक्षा के नए दृष्टिकोण: एक विश्लेषण (2021).
[5]. शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता (2020).
[6]. सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा पर प्रभाव डालने वाली नीतियाँ और योजनाएँ (2022).
[7]. शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी नीतियों का मूल्यांकन (2017).
[8]. भारत में शिक्षक प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए नीतिगत सुधार (2019).
[9]. शिक्षक शिक्षा में विविधता और समावेशन पर आधारित नीति बदलाव (2021).
[10]. शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए नीतिगत दृष्टिकोण और सुझाव (2018)